समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

IT प्रोफेशनल से पुणे की मेयर तक : मंजुषा नागपुरे का राजनीतिक सफर

Publisher

Published on 04 Feb 2026

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने **मंजुषा नागपुरे** को पुणे नगर निगम (PMC) के लिए **अगले मेयर** (महापौर) के रूप में चुना है — एक ऐसा निर्णय जो शहर की राजनीति में **शिक्षित नेतृत्व और संगठनीय अनुभव** को प्रमुखता देता है। नागपुरे का चयन पार्टी की रणनीति और स्थानीय राजनीति में अपने प्रभाव को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

क्यों चुनी गईं मंजुषा नागपुरे ?

बीजेपी ने 46 वर्षीय **मंजुषा नागपुरे** को पुणे मेयर पद के लिए इसलिए चुना क्योंकि वह **शिक्षित, संगठित और अनुभवी नेता** मानी जाती हैं। उन्होंने 2012 में **PMC मे पंहली बार कॉर्पोरेटर** के रूप में चुनाव जीता था और उसके बाद से दो बार फिर चयनित हुईं हैं, जिससे उनके **स्थानीय प्रशासन मे अंनुभव** को बल मिला है।

उनके चयन में सरकार के **दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों** के साथ-साथ **स्थानीय स्तर पर पार्टी की मजबूती** को ध्यान में रखा गया है। उनके इलाके का वार्ड **बारामती लोकसभा क्षेत्र** में आता है, जहां बीजेपी हमेशा से अपनी पैठ मजबूत करना चाहती आई है।

शिक्षा और प्रोफेशनल पृष्ठभूमि

- मंजुषा नागपुरे ने **सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय** से स्नातक की पढ़ाई की और बाद में **ICFAI यूनिवर्सिटी** से **MBA** की डिग्री हासिल की।
- उन्होंने पहले **IT सेक्टर** में काम किया, लेकिन बाद में अपने परिवार के आग्रह पर राजनीति की ओर रुख किया।
- उनके पति **दीपक नागपुरे** भी बीजेपी के साथ जुड़े रहे हैं और उनका RSS से भी गहरा नाता है, जिससे उनके **संगठनीक अनुभव मे मंजबूती** आई है।

राजनीतिक सफर और चुनावी जीत

नागपुरे को जनवरी में हुए PMC चुनावों में **बिना किसी विरोध के** Suncity–Manikbaug वार्ड से चुना गया, जो उनके प्रभाव और लोकप्रियता का संकेत है। बीजेपी के पास PMC में 165 सीटों में से 119 सीटें हैं, जिससे उनकी मेयर बनने की राह और भी मजबूत हो गई है।

उनकी चुनावी रणनीति में शहर की **ट्रैफिक समस्याओं को हल करना**, **मुंथा नदी के किनारे सुरक्षा व्यवस्था और सुंदरता परियोजनाओं पर काम करना**, **स्वच्छता अभियानों को बढ़ावा देना**, **सिटी अस्पतालों का उन्नयन** और **डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा** देना शामिल है।

बीजेपी की रणनीतिक निर्णय क्षमता

बीजेपी ने मंजुषा को तब चुना जब यह मेयर पद **महिला (जनरल श्रेणी)** के लिए आरक्षित था, और पार्टी ने उन्हें कई वरिष्ठ नेताओं में से प्राथमिकता दी। इससे यह संदेश भी गया कि पार्टी **शिक्षित और सशक्त कार्यकर्ताओं को प्रमुख जिम्मेदारियां सौंपना चाहती है**।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.